

२५/११/२०२०

कराला (राज०)

पत्रावली पेज हुई। वकील उग्रप पक्ष
उपस्थित। वदल वकील उग्रप पक्ष का
मनन किया गया पत्रावली का डवलोकन
किया गया सापलान ने यह प्रार्थना पत्र
अस्यारी निवेधाना इस आशय का
प्रस्तुत किया है कि आराजी खंनं 1475
रकवा। वीधा 03 विस्वा कस्वा करौली रह
करौली सापलान। रा 03 व सापल प रा 07
के पिता रामसिंह के खारे दारी व कजेवास्त
की है। रामसिंह का स्वर्गवास हो चुका है।

Abhinav

महाराष्ट्र
राज्य
सरकार

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तागील
में जारी हुए

उक्त आराजी से जैर सापलाग ता. 20 का कोई सम्बन्ध नहीं है। दि. 23/11/15 को जैर सापलाग नं. 1 ता. 20 इक्कर झोली में पत्थर दासे चौका लेकर आ जये और सापलाग की ऐलानिया कथ कि उक्त आराजी में पत्थर परक कर जवरग तागत के बल पर पारो पौदा मकामीपार का निर्माण करेगे और सापलाग को मन्गी की अक फसल काबूत नहीं करने वेगो सापलाग ने मन्ग किया हो जैर सापलाग नं. 1 ता. 20 सापलाग से कागस करने पर आगदा हो गये। यदि जैर सापलाग ने आराजी में जवरग निर्माण कार्य करके सापलाग की आराजी से वेडखल कर दिया हो सापलाग ग्राम के फसल लाभ से वन्धित हो जावेगे जिससे सापलाग को अपूर्णिय काते व भारी असुविधा होगी इसलिए सापलाग जैर सापलाग को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करने के अधिकारी हैं और प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया है।

जैर सापलाग ने सापलाग के प्रार्थना पत्र से अस्वीकार करते हुये कथन किया है कि आराजी पर सापलाग का कब्जा नहीं है। सापलाग ने गलत तथ्यों के आधार पर पेश चन्दी के लिये जवाब प्रार्थना पत्र पेश किया है जैर सापलाग स. 2000 से आगे के पास आरागाह भूमि सं. नम्बर 1472, 1487 के रियापक कर रहे हैं एवं 1475। किस स्थान पर है सापलाग के पता नहीं है सं. नं. 1475 सिवापक मूफि थी जिसे सापलाग के अक्ल कथ बर विडप कर दिया है। जमावन्दी इन्हाज

(Signature)


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व अदालत हुकम की में जारी
	<p>के आधार पर जवाब प्रार्थना पत्र पेश किये हैं रकम नं 1475। के अन्तर के रकम नं 1476 से रकम नं 1471 है रकम नं 1475। से रकम नं 1472 की सीमा लगी हुई है और सापलाग के पत्र पर सर 2000 से पडे हुये हैं। पक्का क्रमशः पीसी फेश व पायोर रिहापत्री वनी हुई है। और विद्यालय धकीराम पुरा में और सापलाग के कच्चे पढे हैं सापलाग भूमि के एडपका चाहेते हैं। रकम नं 1472 व 1482 सरकारी भूमि में और और सापलाग की कसाक 8-9 वर्ष पूर्व से है। सापल और सापलाग के भूमि से वेड खल बना चाहेते हैं। और प्रार्थना पत्र रकाविज किये जाने का कथन किया है।</p> <p>पत्रावली में पुरात राजस्व रिकार्ड के अवलोकन से रकम नं 1475। रकम। वीका उपिस्वा जमावन्दी सम्बत 2068 से 2071 में सापलाग व पिता सापलाग के खारेजारी में दर्ज है। एवं और सापल हाथ पुरात रिकार्ड में रिकार्ड पत्रकारी व गिरडावर दि० 18.11.11 में और सापलाग की रिहापश रकम नं 1472 व 1487 में दिला कराया है जो चाशगाह भूमि है। जिससे स्पष्ट है कि रकम नं 1475। में और सापलाग की रिहापश नहीं है। उम्ह आराजी सापलाग के कच्चे काठ का भी है जिसमें कोई निर्माण और सापलाग का नहीं होगा और सापलाग की स्वीकृति है। यदि रकम नं 1475। में और सापलाग हाथ निर्माण किया जाय है तो इस स्थिति में सापलाग के हित प्रभावित होंगे। जिससे सापलाग के अपूर्ण कृति व अधुविद्या प्रतीत होती है। प्रार्थना पत्र सापलाग स्वीका किये जाने योग्य है।</p> <p>अतः प्रार्थना पत्र अस्पाई निवेधान</p>	

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

सापलाग स्वीकार किया जाता है जो सापलाग
। ता० 20 को ना फेंसला वाप पग कस्यार्
निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है
कि वह वाप गुप्त आराजी एवं नं० 1475/1
रफ्तार। वीधा उविस्वा कस्वा करौली
पटवार हल्का नं० 8 तह० करौली में
सापलाग के कले काइर में कमावट
नहीं करे एवं आराजी में कोई निर्माण
कार्य नहीं करे ना किसी अन्य से करावे
पत्रावली फेंसल शुमार होकर नम्बर
से कम होकर मूल दावा पत्रावली
में शामिल रहे।


उपखण्ड अधिकारी
करौली (राज०)